FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program : Bachelor in ArtsHonors/ Honorse with Research	Semester-VII	Session 26-27

1	Course Code	HNSC-07
2	Course Title	कथेतर गद्य (नाटक, उपन्यास, एकांकी, निबंध,)
3	Course Type	DSC
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement
5	Course Learning Outscom(CLO)	1. विद्यार्थी हिदी निबंध, नाटक एवं एकांकी विधाओं से परिचित हो सकेगें। 2. निबंधकार, नाटककार, एकांकीकार एवं उनकी रचनाओं से परिचित होंगं। 3. विद्यार्थी निबंध, नाटक एवं एकांकी के माध्यम से सामाजिक समस्याओं से परिचित हो उनके समाधान हेतु प्रेरित होंगे। 4. विद्यार्थियो मे लेखकों की लेखन शैली का परिचय एवं आलोचनात्मक दृष्टि का विकास हो सकेगा। 5 विद्यार्थियों में रचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।

6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 1	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	नाटक– अंधेर नगरी–भारतेंदु हरिश्चंद्र	15
II	नाटक– 1 आषाढ़ का एक दिन– मोहन राकेश	15
III	एकांकी – 1 औरंगजेब की आखिरी रात– रामकुमार वर्मा 2 एक दिन : लक्ष्मीनारायण मिश्र	15
IV	निबंध 1 क्रोध – आचार्य रामचंद्र शुक्क 2 बसंत आ गया है– डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी	15

संदर्भ ग्रंथः

1. हिंदी नाटकः उद्भव और विकास– दशरथ ओझा
2. हिंदी एकांकीः उद्भव और विकास– साहित्य प्रकाशन
3. हिंदी निबंध और निबंधकार– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. गद्य विन्यास और विकास– लोक भारती प्रकाशन

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-26-27
DEPARTMENT OF HINDI
COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Researc		Semester-VII	Session 26-27
1	Course Code	HNSE-05	
2	Course Title	भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	
3	Course Type	**DSE**	
4	Pre Reqisite (If any	AS per requirement	
5	Course Learning Outsc (CLO)	1 विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र के स्वरूप को समझने में सक्षम हो सकेंगे। 2 विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र के विकास क्रम से परिचित हो सकेंगे। 3 हिंदी आचार्यों के काव्यशास्त्रीय चिंतन से परिचित होंगे। 4 आधुनिक हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों से अवगत ळो सकेंगे। 5 भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों को समझने की क्षमता का विकास हो सकेगा।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**काव्य की परिभाषा और स्वरूप** : काव्य लक्षण, काव्य हेतु , काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार रस सिद्धांत, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, रस के अंग	15
II	अलंकार सिद्धांत, ,रीति सिद्धांत , वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत, औचित्य सिद्धांत	15
III	हिंदी आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिंतन– केशव, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. रामविलास शर्मा	15
IV	आधुनिक हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवुत्तियां : शास्त्रीय, ऐतिहासिक, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय व व्यावहारिक समीक्षा	15

संदर्भ ग्रंथः

1. भारतीय काव्यशास्त्रीय –डॉ.उदयभान सिंह
2. रस सिद्धांत–डॉ नगेन्द्र
3. समीक्षा के प्रतिमान–डॉ निर्मला जैन
4. भारतीय व पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना–डॉ. रामचंद्र तिवारी
5. प्लेटो का काव्य सिद्धांत– निर्मला जैन

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-26-27
DEPARTMENT OF HINDI
COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Research		Semester-VII	Session 26-27
1	Course Code	HNSE-06	
2	Course Title	कार्यालयीन व व्यावहारिक हिंदी	
3	Course Type	**DSE**	
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement	
5	Course Learning Outsco (CLO)	1 विद्यार्थी कार्यालयीन हिंदी के स्वरूप को समझने में सक्षम हो सकेंगे । 2 कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली हिंदी के विविध पक्षो से परिचित हो सकेंगे। 3 जनसंचार माध्यमों में हिंदी के प्रयोगो से अवगत होंगे। 4 कम्प्यूटर में हिंदी के अनुप्रयोग में सक्षम होंगे। 5 विद्यार्थियों में कार्यालयीन एवं व्याहारिक हिंदी के प्रति अभिरूचि का विकास हो सकेगा।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**कार्यालयीन हिंदी** : कार्यालयीन हिंदी के स्वरूप एवं उद्देश्य **हिंदी के प्रयोजनमूलक संदर्भ** :कार्यालयीन, साहित्यिक, वाणिज्यिक ,वैज्ञानिक, तकनीकी, जनसंचार माध्यमों में हिंदी	15
II	**कार्यालयीन पत्राचार** : प्रारूपण–अर्थ, पद्धति शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालयीन आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, ज्ञापन, विज्ञापन, प्रेस विज्ञप्ति, टिप्पण	15
III	**कार्यालयीन हिंदी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली** पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, कार्यालयीन पारिभाषिक शब्दावली, प्रशासनिक शब्दावली एवं पदनाम	15
IV	**कम्प्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग** : कम्प्यूटर और हिंदी का अन्तर्संबंध हिंदी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न की–बोर्ड देवनागरी लिपि के विभिन्न फॉण्ट्स हिंदी से संबंधित वेबसाईट,ई–पत्र–पत्रिकाएं	15

संदर्भ ग्रंथः

1. हिंदी भाषा और संस्कृति– मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी
2. कार्यालयीन हिंदी की प्रकृति–चंद्रपाल शर्मा
3. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी– डॉ संजीव कुमार जैन
4. व्यावहारिक हिंदी – डॉ प्रकाशचंद्र सेन
5. सरल व्यावहारिक हिंदी– डॉ.शंकर मुनि राय

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

Sunila Soni

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Research		Semester-VII	Session 26-27
1	Course Code	HNSE-07	
2	Course Title	छत्तीसगढ़ का लोक साहित्य	
3	Course Type	**DSE**	
4	Pre Reqisite (If any	AS per requirement	
5	Course Learning Outsc (CLO)	1 विद्यार्थी लोकजीवन एवं लोकसंस्कृति से परिचित हो सकेंगे । 2 विद्यार्थी लोकसाहित्य के स्वरूप से अवगत होंगे। 3 विद्यार्थियों में लोक संस्कृति की समझ विकसित हो सकेगी। 4 छत्तीसगढ़ के लोकसाहित्य से जुड़ाव हो सकेगा। 5 विद्यार्थियों में लोकसाहित्य के सृजन की रूचि जागृत हो सकेगी।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**लोक साहित्य परिभाषा और स्वरूप** : लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतर्संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएं	15
II	**छत्तीगढ़ के लोकगीत और लोकगाथा** : लोकगीत और लोकगाथा की अवधारणा व स्वरूप लोकगीत–करमा, ददरिया, संस्कारगीत,पर्वगीत व अन्य लोकगाथा–पंडवानी ,भरथरी व अन्य	15
III	**छत्तीसगढ़ के लोकनृत्य** : लोकनृत्य की अवधारणा व स्वरूप सुआ, पंथी, करमा, ददरिया व राउत नाचा व अन्य लोकनृत्य प्रमुख कलाकार	15
IV	**छत्तीसगढ़ के लोकनाट्य** : लोकनाट्य की अवधारणा व स्वरूप नाचा, गम्मत तथा अन्य लोकनाट्य, प्रमुख लोकनाट्यकार	15

संदर्भ ग्रंथः

1. छत्तीसगढ़ का इतिहास– गीतेश कुमार अमरोहित
2. लेक संस्कृति और लोक इतिहास–बद्रीनाथ
3. लोकसाहित्य एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य– सं. रमेश टण्डन
4. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन–नंदकिशोर तिवारी
5. छत्तीसगढ़ की लोकथाएं–परदेशीराम वर्मा

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-26-27
DEPARTMENT OF HINDI
COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program : Bachelor in Arts Honors with Research		Semester-VII	Session 26-27
1	Course Code	HNGE 03	
2	Course Title	छत्तीसगढ़ी व्याकरण	
3	Course Type	GE	
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement	
5	Course Learning Outscom (CLO)	छत्तीसगढ़ी राजभाषा होने के कारण इसकी व्याकरणिक कोटियों का व्यावहारिक ज्ञान विद्यार्थियों को कराना आवश्यक है। छत्तीसगढ़ी को मौखिक परंपरा से उठाकर साहित्यिक स्तर पर परखने के लिए इसका व्याकरण समझना बहुत जरूरी है। • इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ी व्याकरण के आधारभूत अंशों को पाठ्य विषय के रूप में शामिल किया गया है। • प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्याथियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता मिलेगी। • इस प्रश्नपत्र में छत्तीसगढ़ी व्याकरण से संबधित जो अध्ययन सामग्री तैयार की गई है, उससे विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिरूचि में भी वृद्धि होगी।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	• छत्तीसगढ़ी भाषा : सामान्य परिचय–नामकरण, प्रकार एवं भौगोलिक विस्तार • छत्तीसगढ़ी बोलियों का वर्गीकरण : प्रकार एवं क्षेत्र विस्तार • वर्णमाला, लिंग, वचन एवं कारक	15
II	• छत्तीसगढ़ी : विविध रूप–मानक एवं अमानक छत्तीसगढ़ी • संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण क्रिया एवं क्रिया विशेषण • छत्तीसगढ़ी शब्द रचना–विधि : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास	15
III	• छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियां : अर्थ, स्वरूव एवं विशेषताएं • हाना (कहावत) और मुहावरे : अर्थ एवं प्रयोग • जनउला : अर्थ एवं प्रयोग	15
IV	• व्यावहारिक छत्तीसगढ़ी : विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द • छत्तीसगढ़ी लोक व्यावहारी शब्द : फल एवं सब्जियों के नाम • पशु–पक्षियों के नाम, शरीरांग एवं घर गृहस्थी के शब्द	15

संदर्भ ग्रंथ :